ओएनजीसी विदेश लिमिटेड सहित सह उद्यमियों के साथ ए सी जी पी एस ए के विस्तार को 2049 तक बढ़ाने की अज़रबाईजन सरकार की घोषणा

18 सितंबर, 2017

(http://www.ongcvidesh.com/wp-content/uploads/2017/09/Azerbaijan_government.jpg)

नई दिल्ली- ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने घोषणा की है कि अज़रबाईजन सरकार और अज़रबाईजन रिपब्लिक एस ओ सी ए आर की राज्य तेल कम्पनी के साथ उत्पादन शेयरिंग करार (पी एस ए) के विस्तार हेतु एक करार किया है। भारतोय फ्लैगशिप तेल और प्राकृतिक गैस कोर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) की सहायक कम्पनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड के पास केस्पियन सागर अज़रबाईजन सेक्टर मे ए सी जी तेल क्षेत्रों में भागीदारी हित है। परिसंघ के अन्य भागीदारों में बी जी, चेवरान, आई एन पी ईएक्स, स्टेट आयल, एक्सान मोबिल, टी पी ए ओ और आई टी ओ सी एच यू शामिल हैं। बशर्ते अजरबाईजन रिपब्लिक की संसद (मिली मजलिस) द्वारा इसका अनुसमर्थन किया जाता है।

इस करार पर, अजरबाईजान रिपुब्लिक के महा महिम प्रेसिडेंट इल्हम अलियेव और आगंतुक वरिष्ठ सरकारी और राज्य के अधिकारियों की उपस्थिति में अज़रबाईजन सरकार की तरफ से एस ओ सी ए आर के प्रेसिडेंट रोवांग अब्दुल्लायेव और ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड सहित सह उधमी कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 14 सितम्बर 2017 को बाकू में हस्ताक्षर किए गए थे।

इस करार के भाग के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सह उद्यमि अजरबाईजान रिपब्लिक की राज्य तेल निधि को 3.6 मिलियन डालर का बोनस देंगें, और एस ओ सी ए आर, ए ई जी पी एस ए में अपना इक्विटी शेयर 11.65 प्रतिशत से बढ़ा कर 25% कर देगा। इस करार के पूरा होने पर, नए ए सी जी भागीदारी हित इस प्रकार होंगे:- बी पी 30.37 प्रतिशत, ए जैड ए सी जी (एस ओ सी ए आर) 25 प्रतिशत , चेवरान 9.57 प्रतिशत; आई एन पी ई एक्स 9.31 प्रतिशत; स्टेट आयल 7.27 प्रतिशत ;एगजान मोबिल 6.79 प्रतिशत; टी पी ए ओ 5.73 प्रतिशत, आई टी ओ सी एच यू 3.65 प्रतिशत और ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड 2.31 प्रतिशत। कुल बोनस अदायगी मे ओ एन जी सी विदेश का शेयर लगभग 111 मिलियन अमरीकी डालर होगा।

एस जी तेल क्षेत्र, रिपब्लिक अजरबाईजान की राजधानी बाकू के पूर्व से लगभग 100 कि. मी. कि दूरी पर केस्पियन सागर में स्थित है। ए सी जी तेल क्षेत्र, मोजूदा – तीन क्षेत्रों से (अजेरी तेल क्षेत्र, चिराग तेल क्षेत्र और गुनाशी तेल क्षेत्र के गहरे जल का भाग) से प्रति दिन(2017 के प्रथम भाग की औसत दर) लगभग 585,000 बैरल खनिज तेल का उत्पादन करता है। एस सी जी तेल क्षेत्रों में उत्पादित खनिज तेल बाकू तिब्लिस सिहान पाइपलाइन (बी टी सी पाइपलाइन) द्वारा परिवहन करके रिपब्लिक आफ टर्की के मेडिटेरियन किनारे पर ले जाया जाता है जहां से इसे जहाज़ द्वारा ग्राहकों को भेजा जाता है। मोजूदा ए सी जी पी एस ए पर, 20 सितम्बर 1994 को 30 वर्ष के लिए हसताखशर किए गए थे। इस क्षेत्र में तेल और गैस की पर्याप्त मात्रा शेष है और पी एस ए के विस्तार से, दीर्घकालीन सतत उत्पादन द्वारा अजरबाईजान और भागीदारों को लाभ होगा। ओ एन जी सी विदेश में हेस कार्पोरेशन से 28 मार्च 2013 को ए सी जी पी एस ए में 2.7213 प्रतिशत और पाइपलाइन में 2.36 प्रतिशत भागीदारी हित अर्जित किए थे।

कम्पनी के बारे में

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत, ओ एन जी सी विदेश, एक मिनी रत्न अनुसूची 'ए' भारत सरकार के केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उधम (सी पी एस ई), भारत की फ़्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कम्पनी(एन ओ सी) तेल और प्राकृतिक गैस कोर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व वाली, विदेशों में कार्यरत सहायक कम्पनी है।

22/09/2017

ओ एन जी सी विदेश द्वारा पेट्रोलियम अन्वेषन लाईसेंस 0037 अपतर नांमीबिया में 30 प्रतिशत भागीदारी हित अर्जित करना।

ओ एन जी सी विदेश पेट्रोलियम अन्वेषण लाइसेंस 0037 अपतर नमींबिया में 30 प्रतिशत भागीदारी हित अर्जित करने के लिए 28 जून 2017 को टुल्लों आयल पी एल सी के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी टुल्लों नामीबिया लिमिटेड(टुल्लों) के साथ निर्णायक बाध्यकारी करारों, और लाइसेंस में टुल्लों के विधमान 65% भागीदारी वाले करारों से संबधित करारों पर हस्ताक्षर किए हैं। 30 प्रतिशत भागीदारी हित के साथ पान कान्टीनेटल नामीबिया(पी टी वाई) लिमिटेड और 5 प्रतिशत भागीदारी हित के साथ पैरागान आयल एण्ड गैस(पी टी वाई) लिमिटेड लाइसेंस में अन्य भागीदारी है। यह अर्जन तभी होगा बशर्ते कि नामीबियन रेगुलेटरी अथारिटी और संयुक्त उद्यमियों का अनुसमर्थन सहित व्यापार संबंधी शर्तों के पूर्वोदाहरण पूरे किए जाते हैं।

विद्यमान कारबार से ओ एन जी सी विदेश के नामीबियन अपतट में प्रवेश हो जाएगा और यह अपने मोजूदा ई और पी पोर्टफोलियों उच्च प्रभावी अन्वेषण और उत्पादन के कार्यनीतिक उदेश्य के अनुरूप होगा।

ओ एन जी सी विदेश के बारे में :-

ओ एन जी सी विदेश फ़्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कम्पनी, रतन ओ सी तेल और प्राकृतिक गैस कोर्पोरेशन लिमिटेड(ओएनजीसी) के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी है और भारत की सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय तेल और ए एस पी कम्पनी है। मौजूदा ओ एन जी सी के पास अजरबाइजन, बंगला देश, ब्राज़ील, कोलम्बिया,कजाखस्तान, मोजाम्बायू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, वेनेजुएला, वियतनाम और न्यूज़ीलैंड सहित 17 देशों मे 38 परियोजनाएँ हैं। ओ एन जी सी विदेश मौजूदा लगभग 2,85,000 बैरल तेल और तेल समक्ष का उत्पादन कर रहा है और एक अप्रैल 2017 तक इसके पास कुल तेल और गैस समकक्ष गैस के 704 एम एम टी ओ ए के भंडार(2पी) हैं। आगे जानकारी के लिए http://www/ongcvidesh.com देखें।

ओ एन जी सी के बारे में :-

30 जून 2017 को ओ एन जी सी का मार्किट पूंजीकरण 2019 मिलियन आई एन आर (31.25 मिलियन यू एस डालर) था। 31 मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान ओ एन जी सी समूह ने 61.60 एम एम टी तेल और तेल समकक्ष गैस(एमएमटीओई)(लगभग 1.23 एम एम बो ओई प्रतिदिन) उत्पादन किया था। वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान 31 मार्च 2017 का कुल समेकित तेल एवं गैस रिजर्व 1,818 एम एम ओ टी ओ ई था। आगे सूचना के लिए http://ongcindia.comदेखें। (/#फेस बुक) (/#लिंक डिन) (/#तिविटर) (/#गुगल_प्लस) भाग

24 मई 2017

ओ एन जी सी विदेश ने वित्त वर्ष 2017 के परिणाम घोषित किए

31 मार्च 2017 को समाप्त हुए वर्ष के तेल और प्राकृतिक गैस कार्पोरेशन लिमिटेड (ओ एन जी सी) के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कम्पनी ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड के वित्तीय परिणामों पर 22 मई 2017 को हुई इसके बोर्ड की बैठक में विचार किया गया और अनुमोदन किया गया। इसके निष्पादन की विशिष्टताएं इस प्रकार है:-

ब्यौरो	इकाई	वि.वर्ष17	वि.वर्ष16	% अंतर
उत्पादन(एकाकी)				
खनिज तेल	एमएमटी	2.651	2.618	1.26
प्राकृतिक गैस	बिसीएम	3.004	3.256	(7.74)
कुल तेल और तेल समकक्ष गैस	**एमएमटीओई**	**5.655**	**5.874**	**(3.73)**
उत्पादन (समेकित)				
खनिज तेल	एमएमटी	8.434	5.510	53.07
प्राकृतिक गैस	बिसीएम	4.369	3.406	28.27
कुल तेल और तेल समकक्ष गैस	**एमएमटीओई**	**12.803**	**8.916**	**43.60**
वित्तीय (एकाकी)				
प्रचालनों से आय	रु.करोड़	7,332	7,112	3.09
कर पश्चात निवल (लाभ/हानि)	रु.करोड़	1,749	(3,894)	-
वित्तीय (समेकित)				
प्रचालनों से आय	रु.करोड़	10,080	9,867	2.15
कर पश्चात निवल (लाभ/हानि)	रु.करोड़	701	(3,633)	-

वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान खनिज तेल और तेल समकक्ष गैस का समेकित उत्पादन गत वर्ष की अपेक्षा 44% अधिक था। वर्ष के दौरान बढ़ा हुआ उत्पादन मुख्यत: रूप मे वेंकोरनेफ्ट में 26% पण के अर्जन के कारण था। पैरा कम्पनी का गत वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान एकाकी लाभ 1.749 करोड़ रु था और वित्तीय वर्ष 2016 की 3,633 करोड़ रु की समेकित हानि के प्रति वित्त वर्ष 2017 के दौरान संमेकित लाभ 701 करोड़ रु था। वि. वर्ष 2016 के वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानकों(इड ए एस) के अनुसार पुन: दर्शाए गए हैं।

वित्तीय विवरण कंपनीज़(भारतीय लेखा मानक) नियम 2015 (यथा संशोधित) के तहत अधिसूचित इंड ए एस और भारत के सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा तेल एवं गैस उत्पादक क्रिया क्लापों के संबंध में जारी दिशा निर्देश टिप्पणी के अनुसार तैयार किए गए हैं। यह कम्पनी की पहली इंड ए एस वित्तीय विवरणियाँ है इंड ए एस में परिवर्तन की तारीख एक अप्रैल 2015 है। पहली बार अपनाने पर कम्पनी द्वारा अनिवार्य अपवादों और वैकल्पिक घूटों के उठाए गए लाभ का वित्तीय विवरणियों की टिप्पणियों में उल्लेख किया गया है। कम्पनी ने अपनी कार्यात्मक मुद्रा का निर्धारण अमरीकी डालर (यू एस डी) मे किया है और तदनुसार वित्तीय परिणाम यू एस डालर में तैयार किए हैं और एन एस ई और प्रकाशन के लिए रिपोर्ट भेजने की अपेक्षाओं के लिए इनको रु में परिवर्तित किया गया है।

निदेशक मण्डल ने प्रत्येक रु 100 के समतुल्य मुल्य के पूर्णत: प्रदत इक्विटी शेयर पर रु 1.40 प्रति शेयर(गत वर्ष: शून्य) का अंतिम लाभांश का भुगतान करने का प्रस्ताव किया है। यह इक्विटी लाभांश आने वाली वार्षिक आम बैठक के शेयर धारकों का अनुमोदन होने की शर्त पर दिया जाएगा।

क. नए अर्जन और करार

- ओएनजीसी विदेश ने 31 मई 2016 को रोजनेफ्ट आयल कंपनी से रूसी महासंघ के पूर्वी साइबेरिया में स्थित वेंकोर फील्ड में 15% हित अर्जन पूरा किया और बाद में 28 अक्टूबर 2016 को 11 प्रतिशत अतिरिक्त हित अर्जित किया। वेंकोर रूस का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक फील्ड है और रूस का 4% उत्पादन यहां से होता है। इस फील्ड से प्रतिदिन औसत लगभग 400,000 बैरल खनिज तेल (बी ओ पी डी) उत्पादन होता है वेंकोर से ओएनजीसी का दैनिक उत्पादन शेयर (दोनों अर्जनों पर विचार करते हुए) लगभग 104,000 बीओपीडी है।
- ओएनजीसी विदेश एवं पेट्रोलियम डे वेनजुएला एस ए (पी डी वी एस ए) ने अपनी सहायक कंपनियों के माध्यम से, वेनेजुएला में सान क्रिस्टोबल संयुक्त उद्यम का पुनर्विकास करने के लिए 4 नवंबर 2016 को दो निर्णायक करारों पर हस्ताक्षर किए। उपचारात्मक योजना का लक्ष्य विद्यमान उत्पादन के स्तर में 40 प्रतिशत वृद्धि करना है।इस करार में, ओएनजीसी विदेश के परियोजना से बकाया लाभांशों के परिसमापन के लिए तंत्र की व्यवस्था है, और पुनर्विकास योजना को कार्यांवित करने के लिए पूंजी निवेश हेतु दीर्घकालीन वित्त प्राप्त करेगा। करार के प्रावधानों के अनुसार ओएनजीसी विदेश में पहले ही 88.4 मिलियन यू एस डी प्राप्त कर लिया है और परियोजना की उपचारात्मक योजना के लिए 17.1 मिलियन यू एस डी का ऋण उपलब्ध करा दिया है।

ख. वित्त पोषण

ओएनजीसी विदेश वेंकोर नेफ्ट, प्रा. लि. ओएनजीसी विदेश के पूर्ण स्वामित्व की परिवर्तक सहायक कंपनी ने जे एस सी वेंकोर नेफ्ट में 15% शेयरों के अर्जन के लिए ब्रिज ऋण पुनः वित्त पोषण हेतु जुलाई 2016 में अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार से 2022 को देय एक बिलियन यू एस डी एकत्र किए जिसमें 400 मिलियन वरिष्ठ प्रतिभूत रहित नोट शामिल थे और 2026 को देय 600 मिलयन यू एस डी वरिष्ठ प्रतिभूति रहित नोट एकत्र किए। बांड इंश्योरेंस प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर किया गया था जिसका निवेशकों ने स्वागत किया इस डील को दि असेर ट्रिपल ए कंट्री अवार्ड 2016 में भारत से "बेस्ट कॉर्पोरेट बांड" डील प्रदान किया गया था।

ओएनजीसी विदेश वेंकरनेफ्ट पी टी ई लिमिटेड ने जे एस सी वेंकरनेफ्ट में 11 प्रतिशत शेयर खरीदने के लिए ब्रिज ऋण द्वारा ही नीधियां एकत्र की थीं। अप्रैल 2017 में ऋण परिवर्तित कर दिए गए हैं जिसके लिए कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय बैंकों से प्रतिस्पर्धात्मक मूल्यों पर दीर्घकालीन सुविधाओं के लिए यू एस डी 500 मिलियन और जे पी बाई 38 बिलियन एकत्र किए गए।

ग. प्रचालन

साखालिन-1 परियोजना, रूस

साखालिन-1 परियोजना के लिए नई निर्मित वेधन रिग "क्रेचेट" ओड़ोप्लू

परियोजना के लिए नई निर्मित वेधन रिग "क्रेचेट" ओड़ोप्लू फील्ड की स्टेज- 2 के विकास के लिए नई उच्च प्रौद्योगिकी कि नई रिग का इस्तेमाल किया जाएगा, लगभग 32 कूपों का वेधन किया जाएगा और परियोजना के शेष जीवन काल के दौरान लगभग 400 मिलियन बैरल तेल निकाला जा सकेगा।

6 फरवरी 2017 को छाईवो फील्ड में दुनिया के 15,000 मीटर लंबाई के साथ सबसे लम्बे ई आर डी कूप (05-आर डी) की खोदाई शुरू की गई। इस कूप के वेधन से इसी फील्ड में इसका 13,500 मीटर का अपना पहला रिकॉर्ड टूट जाएगा।

सतपायेव परियोजना, कज़ाकिस्तान

रिपब्लिक ऑफ कज़ाकिस्तान सरकार ने 6 जून 2017 से 2 वर्ष तक के लिए खनन की अवधि बढ़ा दी और कंपनी जुलाई 2017 में दूसरे कूप के वेधन की प्रतिबद्धता पूरी करने की योजना बना रही है।

घ. ओएनजीसी विदेश का विद्यमान पोर्टफोलियो

ओएनजीसी विदेश का विद्यमान पोर्टफोलियो ओएनजीसी विदेश का अजरबैजान, बंग्लादेश, ब्राजील कोलंबिया, कजाकिस्तान, इरान, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, वेनजुएला, वियतनाम और न्यूजीलैंड सहित 17 देशों में 38 परियोजनाओं में भागीदारी है। ओएनजीसी 38 परियोजनाओं, 14 उत्पादक, 4 खोजे गए विकास के तहत 16 अन्वेषणात्मक और 4 पाइप लाइन परियोजनाओं के संतुलित पोर्टफोलियो रख रहा है कंपनी मौजूदा 20 परियोजनाओं का प्रचलन संयुक्त रुप से प्रचालन कर रहा है।

कंपनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत ओएनजीसी विदेश एक मिनी रत्न अनुसूची "ए" भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई), जो तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी(एन ओ सी) के पूर्ण स्वामित्व के साथ विदेशों में कार्यरत शाखा है।

4 मई 2017

ओएनजीसी विदेश को कूप मारीपोसा-1 में बहुत उत्साहीवर्धक परिणाम सामने आए हैं जिसका कोलंबिया के ब्लाक सीपीओ- 5 वेधन किया जा रहा है। ओएनजीसी विदेश ब्लाक प्रचालक है और इसमें 70% भागीदारी हित है और शेष 30% अमेरिसुर रिसोर्सिस के पास है।

कूप मारीपोसा - 1 में 24 मार्च 2017 को वेघन आरंभ हुआ था और 11556 फुट (एन डी) की कुल गहराई तक सीधे इसका वेधन किया गया था। इलेक्ट्रिक लाग विशलेषण संकेतों से पता चला है कि अने फारमेशन के लोअर सैडज़ यूनिट 3 में लगभग 120 फुट तेल सेचुरेटिड नेट पर मौजूद है। इस सैक्शन में वेधन के समय तेल और गैस के पर्याप्त हाइड्रोकार्बन दिखाई दिए हैं। मौजूदा कूप का अनुकूलन चल रहा है ताकि परीक्षण कार्यक्रम आरंभ करने के लिए इसको चलाने हेतु 7" उत्पादन लाइनर सीमेंट किया जाए।

कंपनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत ओएनजीसी विदेश एक मिनी रत्न अनुसूची "ए" भारत सरकार के केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम (सीपीएसई), जो तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी(एन ओ सी) के पूर्ण स्वामित्व के साथ विदेशों में कार्यरत शाखा है।

12 जनवरी, 2017

ओएनजीसी बंध पत्र जारी किए जाने को "भारत से बेस्ट कॉर्पोरेट बांड डील प्रदान किया गया

ओएनजीसी विदेश वेंकरनेफ्ट के 1 बिलियन यू एस डॉलर का डुएल ट्रांचे बांड डील को "दि असेट ट्रिपल ए कंट्री अवार्ड 2016 में भारत से बेस्ट कॉर्पोरेट बांड" डील के रूप में नवाजा गया। यह 2016 में भारत से पहला डुएल ट्रांचे था और अनुकूल मार्किट इशुएंस विंडो तक पहुंच के लिए शीघ्रता से निष्पादित किया गया। यह अवार्ड 11 जनवरी 2017 (बुधवार) को हांगकांग में आयोजित कार्यक्रम में श्री विवेकानंद निदेशक (वित्त) ओएनजीसी विदेश द्वारा प्राप्त किया गया था। इस आयोजन में बड़ी संख्या में वरिष्ठ प्रबंधकों और कॉर्पोरेटस के प्रतिनिधियों, बैंकों और वित्तीय संस्थाओं ने भाग लिया।

ओएनजीसी विदेश द्वारा जारी बंध पत्र को भारत से सर्वोत्तम बंधपत्र डील 2016 से नवाजा गया

ओएनजीसी विदेश वेंकरनेफ्ट प्रा. लि.(ओ वी वी एल). सिंगापुर में ओएनजीसी विदेश की अप्रत्यक्ष पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और इसके पास जे एस सी वेंकरनेफ्ट के 26% शेयर है। 19 जुलाई 2016 को ओ वी वी एल ने अंतर्राष्ट्रीय पूंजी मार्केट में 2022 को देय 400 मिलियन यूएस डॉलर के सीनियर प्रतिभूति रहित 5.5 वर्षों के लिए और 2026 को देय 600 मिलियन यूएस डॉलर के सीनियर प्रतिभूति रहित 10 वर्ष के लिए 1 बिलियन यूएस डॉलर मूल्य के नोट्स (दि नोट्स) जारी किए। नोट्स ओ एन जी सी द्वारा प्रतिभूत है। इन नोट्स को बी ए ए 2(मूडीज़) और बी बी बी -(एस एंड पी) रेटिंग दी गई है।

यह कारोबार 2016 में भारत से जारी किया गया पहला दोहरा ट्रांचे था। 5.5 वर्ष और 10 वर्ष के नोट्स उनके द्वारा क्रमशः 2.2 और 2.3गुना अतिपूर्वक्रीत(ओवर सब्स्क्राइब्ड) थी, जिन 185 खातो द्वारा इस एतिहासिक प्रकाशन में भाग लिया था। ओएनजीसी एवं ओएनजीसी विदेश ने 14 जुलाई 2016 से एशिया (हांगकांग और सिंगापुर) और योरुप (लंदन) के प्रमुख वित्तीय केन्द्रों में कई निवेशक बैठके आयोजित की 13 दिन तक 80 से अधिक निवेशक बैठकों के साथ डील रोड शो बहुत सफल रहे और एतिहासिक निर्गम में 185 निवेशकों ने भाग लिया।

5.5 वर्ष के नोट्स का मूल्य 2.875% प्रति वर्ष के निर्धारित वाले नोट्स की कीमत टी+175 बी पी एस थी जो कि 2.875% आय के साथ □100 के बराबर थी और 10 वर्ष नोट्स की कीमत 3.750% प्रति वर्ष निर्धारित कूपन के टी+220 बीपीएस थी जोकि 3.773% आय के साथ 99.81₹ के समक्ष थी। ओ वी वी एल ने इन नोट्स से प्राप्त राशि को, रूस में जे एस सी वेंकरनेफ्ट में 15% इक्विटी शेयर के अर्जन के लिए प्राप्त किए गए ब्रिज ऋण के भाग को पुनः वित्त पोषित करने के लिए इस्तेमाल की।

इन नोट्स में एशिया योरूप और अपतट यू एस ए सहित एक बड़े भूभाग से लोगों ने रुचि दिखाई। निवेशक का आधार था फंड मैनेजर बैंक, निजी बैंक और प्रमुख संपत्ति निधियां, बीमा कंपनियां।

सिटी ग्रुप और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने संयुक्त वैश्विक समन्वयक का कार्य किया। सिटीग्रुप, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, डीबीएस बैंक लिमिटेड, मिजुहो सिक्योरिटीज, एम यू एफ जी और एस एम बी सी निक्को ने भी इस निर्गम के लिए संयुक्त प्रमुख प्रबंधकों का कार्य किया

त्रिपल ए अवॉर्ड्ज़ के बारे में

एसेट त्रिपल ए अवॉर्ड्ज़ एशिया उनके लिए उत्कृष्ट मान्यता है जिन्होंने संबंधित उद्योग में विशिष्टता दिखाई है। अवार्ड कार्यक्रमों को संचालित करने के अपने 20 वर्ष के अनुभव के साथ दि ट्रिपल एज़ वर्ग विशेष संगठनों में से सर्वोत्तम को पहचानने में दिन-ब-दिन सशक्त होता गया है। ए ए ए अवार्डज़ प्रोग्राम कड़े वर्गीकरण द्वारा तैयार किए जाते हैं जिसमें एशिया में प्रचालन कर रही उत्कृष्ट संस्थाओं के चयन में कठोर दृष्टिकोण शामिल किए जाते हैं। अवार्डों का निर्णय असेट्स बोर्ड ऑफ एडिटरज़ द्वारा किया जाता है जिनके पास एशिया में उद्योग अवार्डों के मूल्यांकन का दर्शकों का सामूहिक अनुभव होता है।

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी, तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) जो की भारत की सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय तेल और गैस ई आर पी कंपनी है की पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों में 37 परियोजनाएं जिनमें यह शामिल है:- अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलंबिया, कजाकिस्तान, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, वेनजुएला, वियतनाम और न्यूज़ीलैंड। ओएनजीसी विदेश मौजूदा प्रतिदिन 229,200 बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और सूचना के लिए कृपया www.ongcvidesh.com(http://www.ongcvidesh.com)देखें

ओएनजीसी के बारे में

11 जनवरी 2017 को ओएनजीसी का मार्किट पूंजीकरण 2535 मिलियन आई एन आर(37.2 बिलियन यूएस डॉलर) था। 31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान ओएनजीसी समूह ने 57.38 एमएमटी तेल और तेल समकक्ष गैस(एम एम टी ओ ई) (लगभग 1.2 एम एम बी ओ ई: प्रतिदिन) का उत्पादन किया वित्तीय वर्ष 2016 के दौरान समेकित सकल कारोबार 1429 बिलियन(21.83 बिलियन यूएस डॉलर) आई एन आर था। आगे सूचना के लिए (www.ongcindia.com) देखें

दिसंबर 2015

ओएनजीसी विदेश ने एच1 वित्तीय वर्ष 2017 स्टैंडलोन के वित्तीय परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली 2016

ओएनजीसी विदेश के पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने 30 दिसंबर 2016 को समाप्त आधे वर्ष के वित्तीय परिणामों पर 13 दिसंबर 2016 को हुई इसकी बोर्ड बैठक में विचार किया गया और अनुमोदित किया गया। इसकी निष्पादन विशेषताएं इस प्रकार हैं:

ब्यौरें	यूनिट	एच वि व.17	एच वि व.16	प्रतिशत अंतर
उत्पादन(स्टेंडलोने)				
खनिज तेल	एमएमटी	1.292	1.254	3.03%
प्राकृतिक गैस	बीसीएम	1.421	1.576	(9.84)%
कुल तेल और तेल समकक्ष	**एमएमटीओई**	**2.713**	**2.830**	**(4.13)%**
उत्पादन (समेकित)				
खनिज तेल	एमएमटी	3.604	2.794	28.99%
प्राकृतिक गैस	बीसीएम	1.869	1.656	12.86
कुल तेल और तेल समकक्ष	**एमएमटीओई**	**5.473**	**4.450**	**22.99%**
वित्तीय (स्टेंडलोने)				
प्रचालनों से आय	रु.करोड़	3,457	3,776	(8.45)%
कर पश्चात निकला (लाभ/हानि)	रु.करोड़	512	226	126.55%

रूस में वेंकोरनेफ्ट में 15% पण अर्जित करने के प्रमुख कारण से एच-1 वित्तीय वर्ष के दौरान समेकित खनिज तेल और तेल समकक्ष गैस उत्पादन 22.99 प्रतिशत अधिक होने पर 5.473 एम एम टी ओ ई था।

वित्तीय वर्ष 2016-17 के पहले आधे वर्ष दौरान कंपनी का एकल लाभ 512 करोड रुपए था जबकि कम मूल्यह्रास,रिक्तिकरण,परिशोधन खर्च और विदेशी मुद्रा में लाभ के कारण 319 करोड रुपए की कम आय के बावजूद गत वित्तीय वर्ष के तदनुरूपी आधे वर्ष में लाभ रूपए 226 करोड़ था।

कंपनी ने पहली बार इंडिया ए एस की मान्यता और गणना सिद्धांतों के अनुसार अंतरिम वित्तीय रिपोर्टिंग और भारत में आम तौर से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों और एच-1 वित्तीय वर्ष 2016 के लिए पुनः वर्णित सापेक्षों के साथ अपने वित्तीय परिणाम तैयार किए हैं। एक कंपनी ने अपनी कार्यात्मक मुद्रा यूएस डॉलर (USD) में निर्धारित की है और तदनुसार अपने वित्तीय परिणाम USD में तैयार करके, उनको रिपोर्टिंग अपेक्षाओं के अनुसार एन एस ई और प्रकाशन के लिए प्रस्तुत करने के लिए रुपए में परिवर्तित किया है।

क. नए अर्जन और सहयोग

ओएनजीसी विदेश ने 31 मई 2016 को रोजनेफ्ट आयल कंपनी से रूसी महासंघ के पूर्वी साइबेरिया में स्थित फील्ड का 15% अर्जन पूरा किया और 28 अक्टूबर 2016 को, अतिरिक्त 11% हित अर्जित किया। उत्पादन के अनुसार वेंकोर और रूस का दूसरा सबसे बड़ा फील्ड है और रूस का 4% उत्पादन इससे होता है। इसके अर्जन से इसका औसत दैनिक खनिज तेल (बीओपीडी) उत्पादन 415, 500 बैरल है और वेंकोर से दैनिक उत्पादन ओएनजीसी विदेश का भाग (दोनों अर्जुन पर विचार करते हुए) लगभग 108030 बीओपीडी है।

वेनेजुएला में सान क्रिस्टोबल संयुक्त उद्यम परियोजना के पुनर्विकास को क्रियान्वित करने के लिए ओएनजीसी विदेश और पेट्रोलियोस डे वेनेजुएला एस ए (पी डी वी एस ए) ने अपनी संगत सहायक कंपनियों के माध्यम से

4 नवंबर 2016 को दो निर्णायक करारों पर हस्ताक्षर किए। इस करार में ओएनजीसी के परियोजना से बकाया लाभांश परिसमाप्त करने के तंत्र और पुनर्विकास क्रियान्वित करने के लिए पूंजी निवेश हेतु दीर्घकालीन वित्त प्राप्त करने का भी प्रावधान है।

ख. वित्त पोषण

ओएनजीसी विदेश के पूर्ण स्वामित्व ए स्टेप डाउन ओएनजीसी विदेश वेंकोरनेफ्ट प्रा. लि., सिंगापुर ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में से 2022 को देय 400 मिलियन डॉलर के सीनियर अनारक्षित नोट्स और 2026 को देय 600 मिलियन डॉलर के सीनियर अनारक्षित नोट्स को मिलाकर एक बिलियन यू एस डी एकत्र किया। बंध पत्र निर्गम प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर किया गया था और निवेशकों द्वारा इसका स्वागत किया गया।

ग. प्रचालन

- साखालिन-1 परियोजना के लिए नई निर्मित रिग "क्रेचेट"

ओडाप्टू फील्ड के स्टेज 2 के विकास के लिए एक उच्च प्रौद्योगिकी रिग का इस्तेमाल करके 22 को कूपों का वेधन किया जाएगा और परियोजना के शेष जीवन काल से लगभग 400 एम बी ओ की प्राप्ति होगी। यह रिग उसी प्रकार की है जो छाईवो में वेधन के लिए प्रयोग में लाई जा रही है, परंतु यह अधिक क्षैतिज भागों के वेधन करने में सक्षम है और छोटे मोडयूल्ज के कारण इसकी बेहतर गतिशीलता है जो कि स्थल पर आसानी से विखंडित, परिवहन और पुनः जोड़ी जा सकती है। यह विशेषता लाभदायक है क्योंकि ओडाप्टू को स्टेज 2 विकास में वेधन दो स्थलों (एन डब्लू एस और एस डब्लू एस) लगभग 9 किलोमीटर की दूरी पर किया जाना है ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) जो की भारत की सबसे बड़ी अंतर्राष्ट्रीय तेल और गैस ई आर पी कंपनी है की पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों में 37 परियोजनाएं जिनमें यह शामिल है:- अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलंबिया, कजाकिस्तान, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, वेनजुएला, वियतनाम और न्यूजीलैंड। ओएनजीसी विदेश मौजूदा प्रतिदिन 224,500 बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और सूचना के लिए कृपया www.ongcvidesh.com(http://www.ongcvidesh.com)देखें

ओएनजीसी के बारे में

14 दिसंबर 2016 को ओएनजीसी का बाजार पूंजीकरण 2,610 बिलियन (38.6 बिलियन यूएस डॉलर) आई एन आर था। 31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान ओएनजीसी समूह ने 57.38 एम एम टी और तेल समकक्ष गैस (एम एम टी ओ ई) (लगभग 1.2 एम एम बी ओ ई प्रति दिन) का उत्पादन किया है, वित्तीय वर्ष 2016 के दौरान समेकित समूह का सकल कारोबार 1429 बिलियन (21.83 बिलियन यूएस डॉलर) आई एन आर था। और सूचना के लिए http://www.ongc.india.com)देखें

10 नवंबर 2016

सान क्रिस्टोबल परियोजना की लाभांश अदायगी और वित्त पोषण के लिए ओएनजीसी विदेश और पी डी वी एस ए ने करार पर हस्ताक्षर किए

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओएनजीसी विदेश) और पेट्रोलियोस डे वेनेज़ुएला एस ए(पी डी वी एस ए) ने अपनी संगत सहायक कंपनियों के माध्यम से वेनेज़ुएला में सान क्रिस्टोबल संयुक्त उद्यम परियोजना के पुनर्विकास के लिए 4 नवंबर 2016 को दो निर्णायक करारों पर हस्ताक्षर किए। इन करारों पर वेनेज़ुएला के प्रेजिडेंट श्री निकोलस मदुरो की ससम्मान उपस्थिति में ओएनजीसी विदेश सीईओ श्री नरेंद्र के वर्मा और माननीय पेट्रोलियम मंत्री वेनेज़ुएला और पी डी वी एस ए प्रेजिडेंट श्री यूलोगिओ डेल पिनो द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

सान क्रिस्टोबल परियोजना पूर्वी वेनेज़ुएला में जूनियर नार्वे ब्लॉक में, पुरोलिफरस हुगो चावेज़ फिर्या ओरिनोको हैवी आयल बेल्ट के जुआटा उपप्रभाग में स्थित है। वेनेज़ुएला में तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए मार्च 2005 में हस्ताक्षरित समझोक्ता ज्ञापन (एम ओ यू) के परिणाम स्वरुप अप्रैल 2008 में संयुक्त उद्यम निगमित किया गया था। परियोजना में ओएनजीसी विदेश का इक्विटी हित 40% है और शेष 60% पी डी वी एस ए के पास है।

इन करारों में, परियोजना से ओ एन जी सी के बकाया लाभांशों के परिसमापन के तन्त्र का प्रावधान है, इसके साथ - साथ परियोजना की परिशोधन को क्रियाँवित करने के लिए पूंजी निवेश हेतु ओएनजीसी विदेश को दीर्घकालीन वित्त पोषण की जरूरत थी। परिशोधन योजना का उद्देश्य वाटर फ्लडिंग तकनीक द्वारा लगभग 18000 बी बी एल प्रतिदिन के उत्पादन स्तर को बढ़ाकर 27,000 बीबीएल प्रतिदिन करना था।

इससे पहले ओएनजीसी विदेश और पी डी वी एस ए ने प्रशिक्षण और शिक्षा के संबंध में सहयोग के एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे जिसके अंतर्गत ओएनजीसी विदेश को भारत के प्रीमियर पेट्रोलियम संस्थान इंडियन स्कूल ऑफ माईन्ज़, धनबाद में उत्तर स्नातक कार्यक्रमों में पी डी वी एस ए के पेट्रोलियम इंजीनियरज़ के बैच को प्रशिक्षण के लिए प्रायोजित किया है अपने विशिष्ट पाठ्यक्रम को पूरा करने के पश्चात पेट्रोलियम इंजीनियरों को ओएनजीसी विदेश के साथ पी डी वी एस ए के संयुक्त उद्यम में तैनात किया जाएगा।

अपस्ट्रीम क्षेत्र में पी डी वी एस ए के साथ ओएनजीसी का सहयोग कार्य नीति के स्वरूप का है और कॉर्पोरेट लक्ष्य प्राप्त करने के लिए यह मजबूत सहयोग आगे बड़ता रहेगा।

ओएनजीसी के बारे में

4 नवंबर 2016 को ओएनजीसी का बाजार पूंजीकरण 2,305.7 बिलियन आई एन आर(34.56 बिलियन यू एस डी) था। 31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष 2016 के दौरान ओएनजीसी समूह ने 57.38 एमएमटी तेल और तेल समकक्ष गैस(एम एम टी ओ ई) (1.2 एम एम बी ओ ई प्रति दिन) का उत्पादन किया है वित्तीय वर्ष 2016 के दौरान सकल समेकित कारबार 1429 बिलियन आई एन आर (21.83 बिलियन यूएस डॉलर) था ।

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) जो भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कम्पनी है, के पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों में 37 परियोजनाएं हैं, जिनमें ये शामिल हैं :- अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलंबिया, कजाकिस्तान, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, वेनजुएला और न्यूज़ीलैंड। इस समय ओएनजीसी विदेश प्रतिदिन लगभग 237,000 बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है।

ओएनजीसी पर और सूचना के लिए http://www.ongcindia.com देखें ओएनजीसी पर और सूचना के लिए httl://www.ongcvidesh.com(http://www.ongcvidesh.com)देखें

ओएनजीसी विदेश ने रूस महासंघ के पूर्वी साइबेरिया में स्थित वैंकोर फील्ड में 11%अतिरिक्त हित अर्जन पूरा किया।

31 अक्टूबर 2016

ओएनजीसी विदेश ने रूसी महासंघ के पूर्वी साइबेरिया में स्थित वेंकोर फील्ड में 11%अतिरिक्त हित का अर्जन पूरा कर लिया है

तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश ने, वेंकोर फील्ड और नार्थ वेंकोर लाइसेंस की मालिक, रूस महासंघ के कानून के तहत संगठित कम्पनी :रोजनेफ्ट आयल कंपनी, जो जे एस सी वेंकरनेफ्ट (वेंकोरनेफ्ट) में है से 28 अक्टूबर 2016 को 930 मिलियन यूएस डॉलर के प्रतिफल से 11% की अतिरिक्त इक्विटी अर्जित कर ली है। जिससे इक्विटी बढ़ कर 26% हो गई है। रुस की राष्ट्रीय तेल कंपनी रोजनेफ्ट के पास वेंकोर नेफ्ट के अधिकांश (50.1%) शेयर हैं जबकि शेष 23.9% इक्विटी इंडियन आयल पी एस यूज़ के भारतीय परिसंघ अर्थात इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रो रिसोर्सिस लिमिटेड के पास हैं।

इससे पहले ओएनजीसी विदेश ने 1268 मिलियन यूएस डॉलर के प्रतिफल से 31 मई 2016 को वेंकोरनेफ्ट में 15% इक्विटी का अर्जन पूर्ण कर लिया था। 11 प्रतिशत की अतिरिक्त इक्विटी के अर्जन के लिए करार पर रुसी और भारतीय सरकार प्राधिकारियों से अनुमोदन सहित विभिन्न शर्तें पूरी होने की शर्त पर, ओएनजीसी विदेश की ओर से सीईओ और प्रबंधक निदेशक श्री नरेंद्र के वर्मा और रोजनेफ्ट सी ई ओ श्री ईगोर सेचिन द्वारा 14 सितंबर 2016 को मास्को में हस्ताक्षर किए गए। बन्धनकारी करार के बाद अल्प अवधि में इसका पूरा होना दर्शाता है कि ओएनजीसी विदेश और रोजनेफ्ट दोनों ने कितनी गति और सहयोग से आगे बढ़े हैं और रूसी तेल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के निवेश को रूसी और भारतीय सरकारों द्वारा कितना सहयोग मिल रहा है ओएनजीसी और रोसनेफ्ट के सीईओ ने ब्रिक्स गोवा सम्मेलन के साथ इस प्रभाव के लिए करार पर हस्ताक्षर किए।

(http://www.ongcvidesh.com/wp-contents/uploads/2016/20161028_17428.jpg)

उत्पादन के लिहाज से वेंकोर रोजनेफ्ट (और रूस) का दूसरा सबसे बड़ा फील्ड है और रूस के उत्पादन का 4% इससे आता है। इस फील्ड से खनिज तेल का औसत दैनिक उत्पादन लगभग 410,000 बैरल (बीओपीडी) है और 15% के पूर्व के अर्जन के साथ वेंकोर से ओएनजीसी विदेश का खनिज तेल का दैनिक उत्पादन शेयर लगभग 107,000 बीओपीडी होगा। 11प्रतिशत के अतिरिक्त अर्जन से ओएनजीसी विदेश के विद्यमान उत्पादन में मौजूदा दर पर लगभग 30% की वृद्धि होगी और वार्षिक लगभग 2.2 एमएमटी तेल और 1.0 बीसीएम होगी।

विद्यमान कारबार रूस में ओएनजीसी विदेश की उपस्थिति को सुदृढ़ करता है और विद्यमान ई और पी पोर्टफोलियो में उच्च कोटि की अंतर्राष्ट्रीय परिसंपत्तियां शामिल करने के कार्यनीतिक उद्देश्य के अनुरूप है। इस अर्जन का भारत की ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि के साथ साथ वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में भारत के कद को बढ़ाने दोनों के संदर्भ में इसकी महत्वपूर्ण कार्यनीतिक महत्व भी है।

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) जो भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कम्पनी है, के पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों में 37 परियोजनाएं हैं, जिनमें ये शामिल हैं :- अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलंबिया, कजाकिस्तान, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, वेनजुएला और न्यूजीलैंड। इस समय ओएनजीसी विदेश प्रतिदिन लगभग 215,000 बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है।

ओएनजीसी पर और सूचना के लिए http://www.ongcindia.com देखें ओएनजीसी पर और सूचना के लिए httl://www.ongcvidesh.com(http://www.ongcvidesh.com)देखें

ओएनजीसी के बारे में

27 अक्टूबर 2016 को ओएनजीसी का बाजार पूंजीकरण 2428 बिलियन आई एन आर (37.2 बिलियन यूएस डॉलर) था। 31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान ओएनजीसी समूह ने 57.38 एमएमटी तेल और तेल समकक्ष गैसें (एमएमटी ओई) (लगभग 1.2 एम एम बी ओ ई प्रति दिन) का उत्पादन किया। वित्त वर्ष 2016 के दौरान समेकित सकल कारोबार 1429 बिलियन (21.83बिलियन यूएस डॉलर) आई एन आर था। और जानकारी के लिए http://www.ongcindia.com(http://www.ongcindia.com)देखें

14 सितंबर 2016

ओएनजीसी विदेश द्वारा रूसी महासंघ के पूर्वी साइबेरिया में स्थित वेंकोर फील्ड में 11 प्रतिशत अतिरिक्त हित अर्जित करना

ओएनजीसी विदेश (और इसके पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी ओएनजीसी विदेश वेंकोरनेफ्ट प्रा. लि. सिंगापुर ओवीवीए ने संयुक्त रुप से वेंकोर फील्ड और नार्थ वेंकोर लाइसेंस की मालिक रूसी महासंघ के कानून के अंतर्गत संगठित कंपनी जे एस सी वेंकरनेफ्ट से 11प्रतिशत अतिरिक्त शेयर अर्जित करने के लिए रूस की नेशनल आयल कंपनी रोजनेफ्ट के साथ निर्णायक करार पर हस्ताक्षर किए इससे पूर्व ओएनजीसी विदेश ने 31 मई 2016 को 15% शेयर धारिता हित अर्जित करने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। इस कारबार के पूरा होने के पश्चात ओएनजीसी विदेश वेंकोरनेफ्ट में अपना भागीदारी शेयर बढ़ाकर 26 प्रतिशत कर लेगा। यह अर्जन संगत बोर्ड सरकार और भारतीय और रूसी विनियामक द्वारा अनुमोदनो की शर्त पर होगा आशा है 2016 के अंत तक यह पूरा हो जाएगा।

http://www.ongcvidesh.com/wp-content/uploads/2016/09/IMG-20160915-WA0000.jpg)

ओएनजीसी विदेश की ओर से सीईओ और प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र के वर्मा और श्री इगोर सेचिन अध्यक्ष निदेशक मंडल रोजनेफ्ट ने 14 सितंबर 2016 को मास्को में हस्ताक्षर किए

http://www.ongcvidesh.com/wp-content/uploads/2016/09/IMG-20160915-WA0000.jpg

उत्पादन के लिहाज से वेंकोर रोजनेफ्ट रूस का दूसरा सबसे बड़ा फील्ड है और रूस के उत्पादन का 4% इससे आता है इस फील्ड से खनिज तेल का औसत दैनिक उत्पादन लगभग 421,000 बीपीडी है। 15% के पूर्व अर्जन के साथ मिलाकर वेंकोर से उत्पादन का ओएनजीसी विदेश का दैनिक शेयर लगभग 110,000 बीपीडी है। 11:00 प्रतिशत के अतिरिक्त अर्जुन का भारत के लिए महत्वपूर्ण कार्य नैतिक महत्व है इससे ओएनजीसी विदेश के विद्यमान उत्पादन में मौजूदा दर पर लगभग 30% की वृद्धि होगी जो की वार्षिक लगभग 2.2 एमएमटी तेल और 1.0 बीसीएम गैस है।

विद्यमान कारबार ओएनजीसी विदेश को रूस में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है जोकि विद्यमान ई और पी पोर्टफोलियो में उच्च कोटि की अंतर्राष्ट्रीय परिसंपत्तियां शामिल करने के कार्यनीतिक उद्देश्य के अनुरूप है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि के साथ-साथ वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों दोनों में इस अर्जन का भारत के लिए सार्थक कार्यनीतिक महत्व है।

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) जो भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कंपनी है के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश की 17 देशों में 37 परियोजनाएं चल रही है वह देश यह है:- अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलंबिया, कजाकिस्तान, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, वेनेजुएला, वियतनाम और न्यूजीलैंड। ओएनजीसी विदेश इस समय प्रतिदिन लगभग 215,000 बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और 31 मार्च 2016 को कुल तेल और गैस के लगभग 596 एमएमटीओई रिजर्व मौजूद हैं और सूचना के लिए http://www.ongcvidesh.com

ओएनजीसी के बारे में

14 सितंबर 2016 को ओएनजीसी का बाजार पूंजीकरण 2123 बिलियन आई एन आर (31.7 बिलियन यूएस डॉलर) था। 31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान ओएनजीसी समूह ने 57.38 एमएमटी तेल और तेल समकक्ष (एमएमटीओई) (लगभग 1.12 एम एम बी ओ ई प्रतिदिन) उत्पादन किया। वित्तीय वर्ष 2016 के दौरान समेकित सकल कारबार 1429 बिलियन आई एन आर 21.83 बिलियन यूएस डॉलर था और 31 मार्च

2016 को कुल तेल और गैस रिजल्ट 2022 एमएमटीओई थे और सूचना के लिए http://www.ongcvidesh.com देखें

1 सितंबर 2016

श्री विवेकानंद ने ओएनजीसी विदेश के निदेशक (वित्त) का कार्यभार संभाला

श्री विवेकानंद ने 1 सितंबर 2016 को ओएनजीसी विदेश भारत की अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनी के बोर्ड में निदेशक(वित्त) का कार्यभार संभाला। इनके पास देशों और अंतर्राष्ट्रीय प्रचालनों दोनों के अपस्ट्रीम तेल और गैस उद्योग में वित्त और लेखा करण व्यवसायी के रूप में तीन दशकों का अनुभव है।

http://www.ongcvidesh.com/wp-content/upload/2016/09/विवेकानंद-निदेशक-वित्त.jpg

इन्होंने वित्त कार्यों जैसे खजाना, कराधान, बजट बनाने, लेखाकरण, आंतरिक लेखा परीक्षा, जोखिम प्रबंधन की इंजीनियरिंग की व्यवसाय प्रक्रिया आदि के सारे गैमट निपटाए हैं। इन्होंने गत 3 वर्षों में लगभग 6 बिलियन यूएसडी का वित्त एकत्र करने के ओएनजीसी के वित्त पोषण अभियान में प्रमुख भूमिका निभाई है।

22 जुलाई 2016

ओएनजीसी विदेश ने अंतर्राष्ट्रीय मार्किट से 1 बिलियन यूएस डॉलर एकत्र किए

यूनाइटिड स्टेट्स में प्रत्यक्ष रुप से अथवा परोक्ष रूप से प्रकाशन अथवा वितरण के लिए नहीं ओएनजीसी विदेश वेंकोरनेफ्ट प्रा. लि. ("ओवीवीएल अथवा दि कम्पनी) जो ओएनजीसी विदेश लिमिटेड की परोक्ष रूप से पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है जो कि स्वयं तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) के पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी है। ओ वी वी एस ने घोषणा की कि उसके 19 जुलाई 2016 को अंतरराष्ट्रीय मार्केट नोट्स में 2022 को देय 400 मिलियन यूएस डॉलर के सीनियर प्रतिभूति रहित नोट्स और 2026 को देय 600 मिलियन यूएस डॉलर के सीनियर प्रतिभूति रहित नोट्स के साथ 1 बिलियन यूएस डॉलर के मूल्य के नोट जारी किए हैं। नोट्स की प्रतिभूति ओ एन जी सी द्वारा दी गई। इन नोट्स को बी ए 2 (मूवीज) और बी बी बी (एस एंड पी) की रेटिंग दी गई है।

2016 में किसी निर्गम कर्ता द्वारा किया गया सबसे बड़ा आकार का कारबार है और 2016 में भारत का पहला दोहरा ट्रांचे निर्गम है। 5.5 वर्ष और 10 वर्षीय नोट्स को क्रमशः सी 2.2 और 2.3 गुना अभिदत हुआ। इस लैंड मार्क निर्गम में 185 ग्राहकों ने भाग लिया।

ओएनजीसी और ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने 14 जुलाई 2016 को आरंभ करके एशिया के प्रमुख वित्तीय केन्द्रों (हांगकांग और सिंगापुर) और यूरोप (लंदन) में निवेशक बैठकों की श्रंखला आयोजित की। 3 दिन के भीतर 80 बैठकों के साथ डील रोड शो बहुत सफल रहे। इस लैंडमार्क निर्गम में 185 निवेशकों ने भाग लिया।

5.5 वर्ष के नोट्स का मूल्य 2.875% प्रति वर्ष के निर्धारित वाले नोट्स की कीमत टी+175 बी पी एस थी जो कि 2.875% आय के साथ □100 के बराबर थी और 10 वर्ष नोट्स की कीमत 3.750% प्रति वर्ष निर्धारित कूपन के टी+220 बीपीएस थी जोकि 3.773% आय के साथ 99.81₹ के समक्ष थी। ओ वी वी एल ने इन नोट्स से प्राप्त राशि को, रूस में जे एस सी वेंकरनेफ्ट में 15% इक्विटी शेयर के अर्जन के लिए प्राप्त किए गए ब्रिज ऋण के भाग को पुनः वित्त पोषित करने के लिए इस्तेमाल की।

इन नोट्स में एशिया योरूप और अपतट यू एस ए सहित एक बड़े भूभाग से लोगों ने रुचि दिखाई। निवेशक का आधार था फंड मैनेजर बैंक, निजी बैंक और प्रमुख संपत्ति निधियां, बीमा कंपनियां।

सिटी ग्रुप और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने संयुक्त वैश्विक समन्वयक का कार्य किया। सिटीग्रुप, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, डीबीएस बैंक लिमिटेड, मिजुहो सिक्योरिटीज, एम यू एफ जी और एस एम बी सी निक्को ने भी इस निर्गम के लिए संयुक्त प्रमुख प्रबंधकों का कार्य किया

ओएनजीसी विदेश के बारे में

विदेशों में ई आर पी परिसंपत्तियों पर केंद्रित ओएनजीसी विदेश प्रमुख तेल एवं गैस कंपनी भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों में 37 परियोजनाएं हैं। ओएनजीसी विदेश मे वित्तीय वर्ष 2016 के दौरान अपनी 14 उत्पादक परिसंपत्तियों से 5.5 एमएमटी तेल और 3.4 बीसीएम गैस का उत्पादन किया।

ओएनजीसी के बारे में

19 जुलाई 2014 को ओएनजीसी का बाजार पूंजीकरण लगभग 28 बिलियन यूएस डॉलर था। ओएनजीसी भारत की सबसे बड़ी ई और पी कंपनी है और सरकारी उपक्रमों में सबसे अधिक लाभ कमाने वाली कंपनी है। 31 मार्च 2016 को समाप्त वित्तीय वर्ष 2016 में ओएनजीसी समूह ने लगभग 21.8 मिलियन यूएस डॉलर के कारबार के साथ 31.4 एमएमटी खनिज तेल और 26.0 बीसीएम प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया। समूह के पास 31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार ओएनजीसी के पास 1693 एमएमटीओई के कुल 2 वी तेल और गैस भंडार थे।

ये सामग्रियां यूनाइटिड स्टेट्स, न्यूज़ीलैंड, दक्षिणी अफ्रीका अथवा जापान अथवा भारत में वितरण (प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष) के लिए नहीं। यूनाइटिड स्टेटस, न्यूज़ीलैंड, दक्षिणी अफ्रीका अथवा जापान अथवा अन्य अधिकार क्षेत्र जहां ऐसा प्रस्ताव विक्रय अथवा अनुरोध गैरकानूनी है मैं ये प्रतिभूतियों की बिक्री की पेशकश नहीं है और न ही प्रतिभूतियों के क्रय अथवा निवेश के लिए अनुरोध है इसके अलावा यह सामग्रियां भारतीय कंपनी अधिनियम 2013 जिस सीमा तक यह अधिसूचित है, और भारतीय कंपनीज़ अधिनियम 1956 जिस सीमा तक यह निरस्त नहीं किया गया हो अथवा भारत में लागू कोई अन्य अधिनियम, नियम और विनियम जो भारत में लागू हो के अर्थों में पब्लिक के लिए प्रस्ताव नहीं है अथवा भारत में प्रतिभूतियों की नीची व्यवस्था नहीं है। यह प्रतिभूतियां यू ए प्रतिभूति अधिनियम 1933 यथा संशोधित(दि सिक्युरिटीज़ एक्ट)अथवा यूनाइटिड स्टेट्स को प्रतिभूति कानून अथवा कोई अन्य अधिकार क्षेत्र हो और यूनाइटिड स्टेट्स में पेशकश न गई हो अथवा प्रतिभूति अधिनियम के तहत पंजीकरण अपेक्षित न हो पंजीकरण नहीं करेगी कंपनी, प्रस्ताव किसी भाग को यूनाइटिड स्टेट्स में पंजीकृत नहीं करेगी अथवा यूनाइटिड स्टेट्स में प्रतिभूतियों सार्वजनिक पेशकश नहीं करेगी।

कंपनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में भारत सरकार की ओएनजीसी विदेश एक मिनीरत्न अनुसूची "ए" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी एनओसी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

31 मई 2016

ओएनजीसी विदेश ने एस ओ सी ए आर ट्रेडिंग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड और ओसीएआर ट्रेडिंग एस ए ने 27 मई 2016 को जेनेवा में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए समझौता ज्ञापन का उद्देश्य तेल के व्यापार में एस ओ सी ए आर के ट्रेडिंगज़ अनुभव का लाभ उठाकर ओएनजीसी विदेश के खनिज तेल पोर्टफोलियो के संयुक्त विपणन की संभावनाएं तलाशना। समझौता ज्ञापन पर एस पी गर्ग निदेशक (वित्त) ओएनजीसी विदेश लिमिटेड और आरज़ू अजिमव, सी ई ओ एस ओ सी ए आर द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

http://www.ongcvidesh.com/wp-content/upload/2016/05/एमओयू-पीआईसी1_.jpg

प्रारंभ में दोनों पक्षों में एससीजी अजरबाईजन से ओएनजीसी विदेश के इक्विटी खनिज तेल के संबंध में संयुक्त विपणन करार पर चर्चा करने पर सहमति बनी और इस करार के आधार दोनों पक्ष संयुक्त बैठक अथवा संयुक्त उद्यम तरीके से ओएनजीसी पोर्टफोलियो से अन्य खनिज तेल ऊंची ऊंची कीमतें प्राप्त करने की आपसी सहमति बनी। ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी, तेल और प्राकृतिक गैस कारपोरेशन जो कि भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कंपनी है के पूर्ण स्वामित्व में सहायक कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों में 36 परियोजनाएं हैं अर्थात अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलंबिया, इराक, कजाकिस्तान, लीबिया, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, सीरिया, वेनेजुएला, वियतनाम और न्यूजीलैंड। ओएनजीसी विदेश मौजूदा प्रतिदिन 165 हजार बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और 31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार इसके पास कुल 632.65 एम एम टी ओ ई तेल और गैस के भण्डार थे। और सूचना के लिए http://www.ongcvidesh.com देखें

ओएनजीसी के बारे में

27 मई 2016 को ओएनजीसी कुल बाजार पूंजीकरण 1822 बिलियन आई एन आर (27.17 बिलियन यूएसडी) था। 31 मार्च 2016 को समाप्त हुए वित्त वर्ष के दौरान ओएनजीसी समूह ने 57.38 मिलियन रन तेल और तेल समकक्ष गैस (एम एम टी ओ ई)(लगभग 1.15 एम एम बी ओ ई प्रतिदिन) का उत्पादन किया: वर्ष 2015-16 के लिए समेकित सकल कारोबार 1429.27 बिलियन आई एन आर (21.83 बिलियन यूएसडी) हुआ: और 31 मार्च 2016 को इसके पास कुल तेल और गैस रिजर्व 2022 एमएमटीओई था। आगे सूचना के लिए देखें:- http://www.ongcvidesh.com

एस ओ सी ए आर ट्रेडिंग एस ए

एस ओ सी ए आर ट्रेडिंग अजेरबाइजान की स्टेट आयल कंपनी एस ओ सी ए आर की अंतर्राष्ट्रीय विपणन और विकास शाखा है। अज़रबाइजन में अजेरी-छिराग-गनेशली फील्ड और अन्य आसपास क्षेत्रों से उत्पादित अजेरी-छिराग-गनेशली बेरलज़ के विपणन के लिए दिसंबर 2007 में एस ओ सी ए आर ट्रेडिंग की स्थापना की गई थी।

कम्पनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में भारत सरकार की ओएनजीसी विदेश एक मिनीरत्न अनुसूची "ए" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी एनओसी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

17 मार्च 2016

रोजनेफ्ट और ओएनजीसी विदेश द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

ओएनजीसी विदेश द्वारा वेंकोरनेफ्ट में 11 प्रतिशत समन्वय शेयरों के अर्जन के लिए रोजनेफ्ट और ओएनजीसी विदेश में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जो कि सितंबर में किए गए 15% शेयरों के लिए किए गए निर्णायक करार के अलावा था। इस प्रकार ओएनजीसी विदेश अब वेंकोरनेफ्ट में कुल 26% शेयरों का अर्जन करेगा। इस समझौता ज्ञापन पर श्री धर्मेंद्र प्रधान, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार की उपस्थिति में ओएनजीसी विदेश के प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र के वर्मा और नेफ्ट के अध्यक्ष प्रबंधक बोर्ड श्री इगोर इवानोविय द्वारा हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन के अंतर्गत यह भी प्रावधान है कि दोनों पक्ष भारत गणतंत्र में मौजूद ओएनजीसी विदेश (अथवा इससे संबंध) की रिफाइनरियों को खनिज तेल की आपूर्ति करने के लिए दीर्घकालीन खनिज तेल आपूर्ति और फीडबैक आपूर्ति करने की संभावनाओं की भी तलाश करेंगे। ऐसे करार (करारों) के प्रयोजन के लिए दोनों पक्ष रोजनेफ्ट द्वारा (वेंकोरनेफ्ट में रोजनेफ्ट के शेयर सहित) उत्पादि खनिज तेल को मुख्य धारा के रुप में इस्तेमाल करने पर विचार करेंगे जहां मेनस्ट्रीम को वैकल्पिक ग्रेडों में प्रतिस्थापित करने का विकल्प मौजूद रहेगा।

वेंकोरनेफ्ट के बारे में

वेंकोरनेफ्ट रोजनेफ्ट के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है जो रूस में वेंकोर फील्ड प्रचालित करती है, इसकी स्थापना 2004 में की थी। वेंकोर फील्ड सबसे बड़ा तेल क्षेत्र है जिसकी पिछले 25 वर्षों में खोज की गई और जिससे उत्पादन किया जा रहा है।

वेंकोर तेल और गैस कंडेनसेट फील्ड रूसी महासंघ में पूर्वी साइबेरिया के उत्तरी भाग क्रासनोयासर्क क्रे नगरीय क्षेत्रों में स्थित है। वेंकोरनेफ्ट के पास वेंकोर और सेवरो(उत्तरी) वेंकोर फील्ड लाइसेंस है। लाइसेंसो की वैधता 2112 तक बढ़ा दी गई है। वेंकोर विशाल तेल और गैस उत्पादक फील्ड, ईस्ट साइबेरिया पेसिफिक ओशियन (ईएसपीओ) पाइपलाइन को आपूर्ति करने वाला प्रमुख क्षेत्र है। यह फील्ड 1988 में खोजा गया था। इस फील्ड से वाणिज्यिक उत्पादन वर्ष 2009 में आरंभ हो गया और मौजूदा लगभग 440,000 बीओपीडी का उत्पादन कर रहा है।

पृष्ठभूमि सूचना

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह भारत से बाहर भारत की सबसे बड़ी तेल एवं गैस अन्वेषण और उत्पादन कंपनी है ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों 36 तेल और गैस परिसंपत्तियां है और यह भारत के तेल और तेल एवं गैस उत्पादन में क्रमश 14.8 % और 12.5 प्रतिशत का योगदान करता है। ओएनजीसी विदेश रोजनेफ्ट के साथ भागीदारी 2001 में आरंभ हुई जब ओएनजीसी विदेश ने रूसी महासंघ में साखालिन - 1 तेल और गैस परियोजना में 20%पण का अर्जन किया।

21 जनवरी 2016

ओएनजीसी ने दि रिपब्लिक आफ इक्वाटोरियल गुइना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओएनजीसी विदेश) और दी रिपब्लिक ऑफ इक्वाटोरियल गुइना के साथ इक्वाटोरियल गुइना में अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में सहयोग के लिए 20 जनवरी 2016 को हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर ओएनजीसी विदेश की ओर से इस के प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र के वर्मा और रिपब्लिक ऑफ इक्वाटोरियल गुइना की तरफ से उसके खनन उद्योग और ऊर्जा मंत्री महामहिम श्री गेबरियल मबागा ओबियंग लीमा द्वारा नई दिल्ली हस्ताक्षर किए गए जब नई दिल्ली में भारत-अफ्रीका हाइड्रोकार्बन सम्मेलन हो रहा था।

समझौता ज्ञापन के तहत इक्वाटोरियल गुइना राज्य, इक्वाटोरियल गुइना में अपस्ट्रीम हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में ओएनजीसी विदेश को समन्वय निवेश अवसरों का पता लगाने के लिए सहयोग करेगा, जैसे कि ओएनजीसी के हित में हों।

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश देश की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) के पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है और यह भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस कि और की कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी की 17 देशों की 36 परियोजनाओं में भागीदारी है यह देश है:- अज़रबाइजन, बंग्लादेश , ब्राजील, कोलम्बिया , इराक, कजाकिस्तान, लीबिया, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, सीरिया, वेनेजुएला और वियतनाम।

2014-15 के दौरान ओएनजीसी विदेश के तेल और गैस प्रचालनों द्वारा 8.87 मिलियन टन तेल और तेल समकक्ष गैस (एम एम टी ओ ई) का उत्पादन किया गया। 1 अप्रैल 2015 की स्थिति के अनुसार ओएनजीसी विदेश के पास 647.485 एमएमटी ओई के गैस 3पी तेल और गैस रिजर्व हैं। 31 मार्च 2015 तक ओएनजीसी विदेश का विदेशों में संचित निवेश 23.77 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़ गया है और सूचना के लिए देखें:-

www.ongcvidesh.com

ओएनजीसी विदेश के बारे में 31 मार्च 2015 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान ओएनजीसी ने 58.34 एमएमटीओई (लगभग 1.2 एम एम बी ओ ई) प्रतिदिन का उत्पादन किया। 31 मार्च 2015 को सकल राजस्व 1660 बिलियन आई एन आर (26.50 बिलियन यूएस डॉलर) और कुल तेल और गैस रिजर्व 2035 एमएमटीओई था और सूचना के लिए देखें :www.ongcindia.com

इक्वाटोरियल गुइना के संबंध में

2015 में इक्वाटोरियल गुइना, सब-सहारन अफ्रीका में तीसरा तेल का सबसे बड़ा उत्पादक रहा है। 2005 में इसका उत्पादन 380,000 बी/डी था जो कि सबसे अधिक था अब यह 278,000 बी/डी है। उत्पादन बायाको द्वीप के पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में स्थित अपतर नाइजर डेल्टा (रियो डेल रे) और दोआला बेसिन से आता है। प्रमुख विकासों में अल्बा, जफीरो और सेल्बा और ओकूमे शामिल हैं। नोबेल एनर्जीज़ असेंग जैसे नए विकास कुछ समाप्त होने वाले स्थलों की प्रतिपूर्ति कर रहे हैं। 2009 से गैस उत्पादन लगभग 800 एमएम सी एफ डी तक बना रहा है। इक्वाटोरियल के दो प्रमुख मुख्य बेसन हैं - रियो और डेल रे दोआला दोनों ने क्षेत्र स्थापित कर लिए हैं। इक्वाटोरियल गुइना प्रमुख तेल कंपनियों जैसे कि एक्सान गोबिल और हेस का घर रहा है और यह हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में भागीदारी के लिए भारतीय कंपनियों की ओर देख रहा है।

24 दिसंबर 2015

ओएनजीसी विदेश और रोजनेफ्ट ने सफल सहयोग की पुष्टि की

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड और रोजनेफ्ट ने, जे एस सी वेंकरनेफ्ट में संयुक्त उद्यम के सृजन के संबंध में पूर्णतः पूर्व स्तर की प्रथम कारवाई सफलतापूर्वक पूरी होने के पुष्टि के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए। करार पर 24 दिसंबर 2015 को रूस के प्रेजीडेंट श्री वलादीमीर प्रतिन और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में ओएनजीसी विदेश के प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र के वर्मा और रोजनेफ्ट प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष श्री इगोर सेचिन ने हस्ताक्षर किए।

इस दस्तावेज पर वेंकोरनेफ्ट में 15% के शेयर की बिक्री और खरीद और उद्यम प्रबंधन के संबंध में शेयरधारकों के करार(इन दस्तावेजों पर सितंबर 2015 में हस्ताक्षर किए गए थे) के अनुक्रम हस्ताक्षर किए गए दोनों पक्षों ने आवश्यक विनियामक और अन्य अनुमोदन प्राप्त होने पश्चात कारबार पूरा करने की इच्छा व्यक्त की।

इसके अलावा रोजनेफ्ट और ओएनजीसी विदेश ने भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अन्वेषण और अभितर और रूसी महासंघ के कांटिनेंटल शेल्फ पर हाइड्रोकार्बन उत्पादन के लिए सहयोग के वास्ते समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

रूसी महासंघ के कांटीनेंटल शेल्फ में अन्वेषण, मूल्यांकन और हाइड्रोकार्बन उत्पादन में सहयोग के लिए (एस पी आइ ई एफ़ के साथ 2014 मैं हस्ताक्षर किए गए) किए गए समझौता ज्ञापन के अनुक्रम में हस्ताक्षरित दस्तावेज उल्लिखित क्षेत्रों में सहयोग बनाए रखने की पक्षों के निश्चय की अभिपुष्टि करता है और रूसी अभीतर हाइड्रोकार्बन विकास परियोजनाओं को शामिल करने हेतु समन्वय भागीदारी के क्षेत्र को बढ़ाता है। विशेष रूप से कंपनियां पूर्वी साइबेरिया में भावीं रोजनेफ्ट परियोजनाओं के विकास के मद्देनजर भागीदारी को आगे बढ़ाने की संभावना का विश्लेषण करेंगे।

हस्ताक्षरित दस्तावेजो पर टिप्पणी करते हुए ओ एन जी सी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री दिनेश के शर्राफा ने कहा: “ओएनजीसी विदेश और रोजनेफ्ट के बीच चल रहे सहयोग और जे एस सी “वेंकोरनेफ़्ट” में संयुक्त उधम के स्रजन के संबंध में प्रथम स्टार की पूर्णत: पूर्व कारवाई के सफलता पूर्वक होने से हम खुश हैं।यह दो कंपनियो के सहयोग को पूर्ण नए स्तर पर ले जाता है और दो देशों के बीच ऊर्जा सहयोग बढ़ाने की मजबूत नीव रख रहा हैं।“

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कम्पनी तेल प्राकृतिक गैस कार्पोरेशन (ओएनजीसी) के पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कम्पनी है। यह भारत से बहार भारत की सबसे बड़ी तेल और गैस अन्वेषन और उत्पादन कम्पनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों में 36 तेल और गैस परिसंपतियों में भागीदारी हित है और भारत के तेल और प्राकृतिक गैस में क्रमश: 14.8% तेल और 12.5% प्राकृतिक गैस का योगदान करती है। ओएनजीसी विदेश की रोजनेफ्ट के साथ भागीदारी 2001 में आरंभ हुई जब ओएनजीसी विदेश ने रूसी फेडरेशन में तेल और गैस परियोजना साखालिन(http://)-1 में 29%पण का अर्जन किया।

ओएनजीसी, सरकार द्वारा संचालित भारत का सबसे बड़ा कार्पोरेशन है जो भारत के खनिन तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग 70% उत्पादन करता है। यह कार्पोरेशन भारत में सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का वाणिज्यिक संगठन है इसका विद्यमान बाजार पूंजीकरण लगभग 31 बिलियन यूएस डॉलर है। भारत सरकार के ओएनजीसी में 68.94% पण है।

वेंकोर तेल और गैस कंडसेंट फील्ड के विकास के लिए 2004 में वेंकोरनेफ्ट, रोज़नेफ्ट सब्सिडरी की स्थापना की गई थी। यह फील्ड गत 25 वर्षों में रूस में खोजा गया और प्रचलन में लाया गया सबसे बड़ा फील्ड है। यह फील्ड इगारका शहर से 142 किलोमीटर की दूरी पर क्रासनोयरस्क जिले के टुरुखानस्काई में स्थित है। 15 जनवरी 2016 तक वेंकोर फील्ड प्रारंभिक प्रतिलम्य रिजर्व में 476 मिन टनस तेल और कंडेनसेट और 173 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस का अनुमान है। फील्ड क्षेत्रफल 447 वर्ग किलोमीटर है।

2014 में वेंकोर से 22 मिन टनज़ तेल का उत्पादन किया गया जोकि 2013 के परिणामों से 3% अधिक है। इसका दैनिक आउटपुट 60000 टन है। प्रौद्योगिकी समाधानों के कारण वेंकोर में प्रतिलम्य रूस में सबसे अधिक है।इस फील्ड का वेधन इनक्लाइंड और उत्पादन इंजेक्शन वेल्ज़ विद हॉरिजेंटल एंडिंग से किया गया है जो उच्च बहाव की बार वालेकुम उपलब्ध कराता है। तेल उत्पादन की प्रक्रिया पूर्णता स्वचलित है।

तेल का परिवहन 556 किलोमीटर लंबी मुख्य तेल पाइपलाइन वेंकोर पर्पे द्वारा किया जाता है। इस क्षेत्र में उत्पादित तेल, पूर्वी साइबेरिया पेसिफिक ओशियन पाइपलाइन के पैकिंग का मुख्य स्त्रोत है।

कंपनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में भारत सरकार की ओएनजीसी विदेश एक मिनीरत्न अनुसूची "ए" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी एनओसी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

4 सितंबर 2015

रूसी महासंघ के पूर्वी साइबेरिया में स्थित वेंकोर फील्ड में ओएनजीसी विदेश द्वारा 15% हित अर्जित करना

नई दिल्ली 4 सितंबर 2015: ओएनजीसी विदेश ने वेंकोर फील्ड और नार्थ वेंकोर के मालिक रूसी महासंघ के कानून के तहत संगठित कंपनी सी एस जे सी वेंकरनेफ्ट में 15% शेयर अर्जित करने के लिए निर्णायक करारों पर हस्ताक्षर किए। रूस की एनओसी रोजनेफ्ट आयल कंपनी के पास वेंकोर नेफ्ट के 100 प्रतिशत शेयर हैं। यह अर्जन संगत बोर्ड, सरकार और विनियामक अनुमोदन होने पर ही हो सकेगा और आशा है कि 2016 के मध्य तक पूरा हो जाएगा।

इस करार पर आज वायादिवोस्टक में हुए, ईस्टर्न इकनामिक फोरम(ईईएफ) के दौरान महिम श्री वलादीमीर पुतिन प्रेसिडेंट रूसी महासंघ की उपस्थिति में ओएनजीसी विदेश के सीईओ और प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र के वर्मा और श्री इगोर सेचिन, अध्यक्ष निदेशक मंडल रोजनेफ्त द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

उत्पादन को देखते हुए वेंकोर रोजनेफ्ट रूस का दूसरा सबसे बड़ा फील्ड है और इससे रूस का 4% उत्पादन होता है इस फील्ड से खनिज तेल का दैनिक उत्पादन औसतन 442,000 बी पी डी है, इसमें ओएनजीसी विदेश का दैनिक उत्पादन से शेयर 66,000 बीपीडी है।

मौजूदा कारोबार ओएनजीसी विदेश को रूस में अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है और विद्यमान ई और पी पोर्टफोलियो में उच्च कोटि की परिसंपत्तियां जोड़ने के उद्देश्य के अनुरूप है। यह अर्जन भारत की ऊर्जा सुरक्षा में वृद्धि और वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में भारत का कद बढ़ाने दोनों के लिए इसका कार्य नैतिक महत्व है।

सिटी ने एकमात्र पूर्ण वित्तीय सलाहकार जबकि डेनटनस ने ओएनजीसी के विधिक सलाहकार का कार्य किया। अर्नेस्ट और यंग कर और लेखाकरण सलाहकार थे।

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है और भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के आज 17 देशों में 36 परियोजनाएं हैं देशों के नाम इस प्रकार हैं:- अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलंबिया, इराक, कजाकिस्तान, लीबिया, मोजांबिक, म्यांमार, दक्षिण सूडान, सूडान, सीरिया, वेनेजुएला, वियतनाम और न्यूजीलैंड। मौजूदा ओएनजीसी विदेश प्रतिदिन 167000 बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और इसके पास 31 मार्च 2015 को लगभग 647 एमएमटीओई बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस भंडार है और सूचना के लिए

ओएनजीसी के बारे में

3 सितंबर 2015 को ओएनजीसी का बाजार पूंजीकरण 1960 बिलियन आई एन आर (29.6 बिलियन यूएस डॉलर) था। 31 मार्च 2015 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान ओएनजीसी समूह ने 59.71 एमएमटीओई (लगभग 1.2 मिलियन तेल और तेल समकक्ष प्रतिदिन) का उत्पादन किया था। सकल राजस्व 1608.95 बिलियन आई एन आर (26.31 मिलियन) था और 31 मार्च 2015 की स्थिति के अनुसार कुल तेल और गैस रिजर्व 2035 एमएमटीओई था। आगे सूचना के लिए

रोजनेफ्ट के बारे में

रोजनेफ्ट रूस की पेट्रोल उद्योग की प्रमुख है और विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से ट्रेडिड पेट्रोलियम कंपनी है। रोजनेफ्ट के क्रियाकलापों में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और उत्पादन अपस्ट्रीम अपतट परियोजनाएं हाइड्रोकार्बन रिफाइनिंग और खनिज तेल गैस और उत्पाद का रूस और विदेशों में विपणन शामिल है कंपनी रूस

की अनुकूल कंपनियों और संगठनों में शामिल है।100% राज्य स्वामित्व वाली कंपनी ओ जे एस सी रोजनेफ्टगाज़ प्रमुख कंपनी है(69.50%)।बी पी के 19.75% शेयर है, और शेष 10.75 प्रतिशत शेयरों का सार्वजनिक रूप से ट्रेड होता है रोजनेफ्ट अपना अन्वेषण (http://www.roseneft.com/upstream/exploration/) और उत्पादन(http://www.roseneft.com/upstream/production and development/) क्रियाकलाप वेस्ट साइबेरिया, दक्षिणी और केंद्रीय रूस, टिमान-पेचोरा, पूर्व साइबेरिया, फार ईस्ट और आरकरिक क्षेत्र सहित रूसी कॉन्टिनेंटल शेल्फ सही चलाता है। कंपनी वेनजुएला, ब्राजील, यू एस ए, कैनेडा, यूएई, अल्जेरिया, नार्वे, कजाकिस्तान, वियतनाम और अपराजिता में कई परियोजनाएं क्रियान्वित करने जा रही है

कंपनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में भारत सरकार की ओएनजीसी विदेश एक मिनीरत्न अनुसूची "ए" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी एनओसी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

1 अगस्त 2015

श्री सुधीर शर्मा ने निदेशक अन्वेषण ओएनजीसी विदेश का कार्यभार संभाला

श्री सुधीर शर्मा ने ओएनजीसी विदेश से भारत की अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनी है के बोर्ड में निदेशक (अन्वेषण) का पदभार संभाल लिया है। इनके पास इस भूमिका में विभिन्न देशीय और विदेशों में तीन दशक से अधिक का अनुभव है।

हाल ही में आप 1 वर्ष से अधिक के लिए कंपनी के कोलंबिया प्रचालनों के लिए विधिक प्रतिनिधि थे। इस पूर्व ओएनजीसी विदेश व्यावसायिक प्रमुख के रूप में आपने, विदेशों में तेल और गैस परिसंपत्तियां प्राप्त करने के उद्देश्य से कंपनी के व्यवसायिक विकास क्रियाकलापों को संभाला। यह ओएनजीसी विदेश में आपका दूसरा सिटंट था।

2003 में सूडान में पण के अर्जन के परिणाम स्वरुप श्री शर्मा ने दो अन्वेषण ब्लॉकों का नेतृत्व किया जिनमें जी एन ओ पी सी संविदा क्षेत्र में बहुविषयक, बहुराष्ट्रीय दल शामिल थे। आपके कार्यकाल के दौरान मुगला बेसिन में पहली बार गहरे लक्ष्य और तल का अन्वेषण आरंभ किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय से भूविज्ञान की परास्नातक की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात आपने ओएनजीसी के देहरादून में सुविख्यात पेट्रोलियम अन्वेषण संस्थान में 1980 में एक प्रशिक्षुक के रूप में कार्य आरंभ किया। आपने 198-84 के दौरान भारतीय खनन विद्यालय धनबाद से पेट्रोलियम अन्वेषण में एम टैक के रुप उच्च अध्ययन किया।आप, देशीय और विदेशों में ई ओ पी उद्योग में, प्रचालनों, बेसिन मूल्यांकन, पेट्रोलियम स्त्रोत, परिसंपत्ति अर्जन और अन्वेषण प्रबंधन में विविध अनुभव के लिए जाने जाते हैं। श्री शर्मा ने अपने साथियों के सहयोग से कुछ वैज्ञानिक अनुसंधान शोध पत्र भी तैयार किए हैं

कंपनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में भारत सरकार की ओएनजीसी विदेश एक मिनीरत्न अनुसूची "ए" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी एनओसी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

21 जुलाई 2015

पेट्रोलियम मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कट्टक में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

श्री धर्मेंद्र प्रधान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने आज कट्टक उड़ीसा में पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन आरंभ किया। इसमें विभिन्न प्रकार के अधिकारियों सहित 1,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना और बाद में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अत्यधिक समर्थन से पारित प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से विश्वभर में असाधारण अनुक्रिया हुई।

कट्टक इंडोर स्टेडियम में सभा को संबोधित करते हुए श्री प्रधान ने हमारे दैनिक जीवन में योग के महत्व पर बल दिया। उन्होंने स्वस्थ और खुशहाल जीवन के साथ एक सशकृ राष्ट्र के लिए योग को हमारे जीवन अभिन्न अंग बनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

"उन्होंने कहा आज हम सबके लिए गर्व का दिवस है जब हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 190 से अधिक देशों द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस महान देश के प्राचीन ज्ञान और युगों के प्रयोगों से समृद्ध योग को स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के लिए सर्वोत्तम तकनीक माना गया है।"

श्री प्रधान ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत सभी तेल कंपनियों को सलाह दी है कि वह अपने कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को योग का जीवन का भाग माने। लोगों को योग के बारे में जानकारी देने के लिए एक सुदृढ़ मार्गदर्शन की जरूरत है जो बताएं कि योग व्यक्ति के जीवन में कैसे परिवर्तन ला सकता है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत राज्यों के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने भी सारे देश में अपने कार्य केंद्रों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया।

जिसमें उनके कर्मचारियों एवं उनके परिवारों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

25 मई 2015

ओएनजीसी विदेश ने वित्तीय वर्ष 2015 के वित्तीय परिणाम घोषित किए

नई दिल्ली 25 मई 2015

तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के 31 मार्च 2015 को समाप्त हुए वर्ष वित्तीय परिणामों पर 25 मई 2015 को आयोजित बोर्ड के बैठक में विचार किया गया और उनका अनुमोदन किया गया:

ब्यौरें	इकाई	वि व.15	वि व.14	प्रतिशत अंतर
उत्पादन				
खनिज तेल	एमएमटी	5.533	5.486	0.86
प्राकृतिक गैस	बीसीएम	3.341	2.871	16.37
कुल तेल और तेल समकक्ष	**एमएमटीओई**	**8.874**	**8.357**	**6.19**
वित्तीय				
सकल राजस्व	रु.करोड़	18,491	21,659	(14.63)
कर पश्चात लाभ	रु.करोड़	1,904	4,445	(57.16)

वित्तीय वर्ष 2015 के दौरान तेल और गैस का उत्पादन गत वित्तीय वर्ष 2014 की तुलना में 6.19 प्रतिशत (तेल 0.86% और गैस 16.37%) बढ़ गया। उत्पादन में वृद्धि मुख्यतः बेहतर प्रबंधन और पोर्टफोलियो में जुड़ाव के कारण हुआ।

वर्ष 2015 के दौरान कंपनी ने कर पश्चात 1904 करोड का लाभ कमाया जो कि गत वर्ष की तुलना 57% कम है। वित्त वर्ष 2015 के दौरान उच्च उत्पादन के बावजूद लाभ में कमी मुख्यतः निम्न कीमत, विनिमय में हानि सहित उच्च वित्त पोषण लागत, उच्च रिक्तीकरण और परिसंपत्तियों में हानि के प्रावधान के कारण लाभ में कमी हुई।

अन्य विशेषताएं

ओएनजीसी विदेश की 17 देशों में 36 परियोजनाओं में हिस्सेदारी है देश इस प्रकार है अज़रबाइजन, कजाकिस्तान, रूस, ब्राजील, कोलम्बिया, वेनेजुएला, इराक, सीरिया, लीबिया, दक्षिण सूडान, सूडान, मोजम्बिकयू, बंग्लादेश, म्यांमार, वियतनाम और न्यूजीलैंड। इन 36 परियोजनाओं में से 13 उत्पादक हैं, 4 खोजी गई। विकास के तहत 17 अन्वेषणात्मक शेष 2 पाइपलाइन परियोजनाएं हैं। मौजूदा ओएनजीसी विदेश प्रतिदिन 167 बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और इसके पास 31 मार्च 2015 को कुल 612 एमएमटीओई के तेल और गैस 2 पी भांडार है।

क. 2015 के दौरान नए अर्जन और भागीदार (क) 9 दिसंबर 2014 को न्यूजीलैंड सरकार द्वारा तारानकी अपतट में पी ई पी 57090 अन्वेषण अनुमति प्रदान करने से ओएनजीसी विदेश ने अब पेसिफिक क्षेत्र में प्रचालन आरंभ कर दिए हैं (ख) अपस्ट्रीम क्षेत्र में प्रौद्योगिकी मानव संसाधन, अन्वेषण, अनुसंधान और विकास में सहयोग के लिए ओएनजीसी विदेश ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित विख्यात अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए:-

i. मास्को में विश्व पेट्रोलियम कांग्रेस के दौरान 18 जून 2014 को टी पी ए ओ के साथ

ii. एस पी आई एफ के दौरान 24 मई, 2014 को रोजनेफ्ट रूस के साथ

iii.15 सितम्बर 2014 को पेट्रोवियतनाम के साथ,

iv. 25 सितंबर 2014 को प्रिमेक्स, मेक्सिकों की अपस्ट्रीम सब्सिडी, प्रिमेक्स, एक्पलोरेसियन वाई प्रोडक्शन (पी ई पी) के साथ।

v. 19 सितंबर 2014 को मबादला, पेट्रोलियम यूएई के साथ

ख प्रचालन

(क) साखालिन परियोजना में टॉप साइड आफ "बरकुट" - अरकुटन-दागी में विश्व का सबसे बड़ा अपतट प्लेटफॉर्म सफलता पूर्वक पानी द्वारा दक्षिण कोरिया से रूस तक ले जाकर 20 जून 2014 को स्थापित कर दिया गया जिससे 5 जनवरी 2015 को उत्पादन आरंभ हो गया।

(ख) गैस निर्यात पाइपलाइन रेमिडायाशन परियोजना बी सी-10 ब्राजील को 1 नवंबर 2014 को सफलता पूर्वक चालु कर दिया गया जिससे लगभग 0.27 एम एम एस सी एम डी का गैस निर्यात किया गया।

(ग) ए-1/ए-3 परियोजना, म्यांमार, में 2 दिसंबर 2014 को प्लेटियू गैस उत्पादन की 14.2 एम एम एस सी एम डी की उत्पादन दर प्राप्त कर ली गई थी।

(घ) पेट्रोकाराबोबो, वेनेजुएला से तेल उत्पादन जो वित्त वर्ष 2017 में 3293 बीओपीडी था की तुलना में वर्ष 2015 में 9775 बी ओ पी डी के औसत उत्पादन के साथ 16 मार्च 2015 को 16,000 बीओपीडी को पार कर गया।

(ड.)पेट्रोकारबोबो का 1.2 मिलियन बैरल का प्रथम खनिज तेल कार्गो आर आई एल द्वारा 25 मई 2014 को वेनेजुएला से उठाया गया था।

(च) सीरिया में ई यू प्रतिबंधों सहित ठेकेदारों पर प्रतिबंधों के परिणाम स्वरुप मौजूदा भू राजनैतिक स्थिति दिसंबर 2011 से सीरियाई प्रचालनों पर प्रभाव डाल रही है।

(छ) 22 दिसंबर 2013 से देश में आंतरिक विवादों और प्रतिकूल सुरक्षा स्थिति के पश्चात दक्षिण सूडान में प्रचालन अस्थाई रुप से बंद हैं। एक बार स्थिति में सुधार होने पर दक्षिण सूडान में प्रचालन पुनः प्रारम्भ हो जाएंगे

कंपनी के बारे में

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में भारत सरकार की ओएनजीसी विदेश एक मिनीरत्न अनुसूची "ए" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, भारत की फ्लैगशिप राष्ट्रीय तेल कंपनी एनओसी तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

20 मार्च 2015

ओएनजीसी और ओएनजीसी विदेश पीवीईपी वियतनाम के साथ करारों पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली 28 अक्टूबर 2014

अंडमान और निकोबार में ओएनजीसी के नेल्प ब्लाकों में अन्वेषण हेतु आपसी सहयोग के लिए तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने वियतनाम तेल और गैस (पेट्रोवियतनाम) ग्रुप के पूर्व स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पेट्रोवियतनाम एक्सप्लोरेशन प्रोडक्शन कार्पोरेशन लिमिटेड (पी वी ई पी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए बशर्ते कि भागीदारी की शर्तों पर आवश्यक चर्चा होती है।इस एम ओ यू पर ओएनजीसी की ओर से इसके अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री दिनेश के सर्राफ और पी वी ई सी की ओर से इसके प्रेजिडेंट और सी ई ओ डॉक्टर डू वान (वानह द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। ओएनजीसी विदेश लिमिटेड ने भी पी वी ई पी के ब्लाक 102/10 और 106/10 एवं अपतट वियतनाम में ओएनजीसी विदेश के ब्लॉक 128 में अन्वेषण के लिए पारस्परिक सहयोग हेतु पी वी ई पी के साथ हैंड्ज़ आफ एग्रीमेंट (एच ओ ए) पर हस्ताक्षर किए बशर्ते कि भागीदारी की शर्तों पर आवश्यक चर्चा की जाती है। एच ओ ए पर, ओएनजीसी विदेश की ओर से प्रबंध निदेशक श्री नरेंद्र वर्मा और पी वी ई पी की ओर से प्रेसीडेंट और सीईओ डॉक्टर डू वान खानहा द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

एम ओ यू और एच ओ ए दोनों का आदान-प्रदान 28 अक्टूबर 2014 को वियतनाम के प्रधानमंत्री महामहिम श्री नागुयेन टान डॉग और भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में हैदराबाद हाउस नई दिल्ली में हुआ।

ओएनजीसी विदेश ने वियतनाम में 1988 से पूर्व प्रवेश किया जब इसे ब्लॉक 06. 1 के लिए अन्वेषण लाइसेंस प्रदान किया था मौजूदा यह ब्लॉक गैस पैदा कर रहा है। कंपनी को 2006 में अन्वेषण ब्लॉक 127 और 128 भी मिल गए। वर्क कार्यक्रम पूरा करने के पश्चात ब्लॉक 127 छोड़ दिया गया था। ब्लॉक 128 का अभी अन्वेषण किया जा रहा है।

ओएनजीसी के बारे में

27 अक्टूबर 2014 को ओएनजीसी का बाजार पूंजीकरण 3391 बिलियन आई एन आर (56.5 बिलियन यू एस डॉलर) था। 31 मार्च 2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष में ओएनजीसी समूह ने 59.20 मिलियन टन तेल और तेल समकक्ष गैस (एम एम टी ओ ई) (लगभग 1.2 एम एम बी ओ ई प्रति दिन) का उत्पादन किया :सकल राजस्व 1747.7 बिलियन (29.46 बिलियन यूएस डॉलर) और 31 मार्च 2014 को कुल तेल और गैस रिजर्व 2004 एमएमटीओई था और सूचना के लिए देखें :

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी तेल और प्राकृतिक गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है और देश की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश की 16 देशों में 35 परियोजनाओं में भागीदारी है इन देशों में अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलम्बिया, इराक, कजाकिस्तान, लीबिया, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, सीरिया, वेनेज़ुएला और वियतनाम शामिल है। इस समय ओएनजीसी विदेश प्रतिदिन 160 हज़ार बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और 31 मार्च 2014 को इसके पास कुल तेल और गैस रिजर्व 637 एम एम टी ओ ई थे। और सूचना के लिए देखें :

26 फरवरी 2015

ओएनजीसी विदेश को अपतट न्यूजीलैंड में अन्वेषण अनुमति प्रदान की गई

ओएनजीसी विदेश ने, न्यूजीलैंड सरकार द्वारा बोली चक्र ब्लॉक पेशकश - 2014 में न्यूजीलैंड में एक अन्वेषण ब्लॉक - 14 टी ए आर आर जीत लिया है। अप्रैल 2014 में प्रतिस्पर्धात्मक बोली के लिए पांच अपतट और तीन अभितट रिलीज क्षेत्र का प्रस्ताव देते हुए बोली चक्र आरंभ किया गया था ओएनजीसी विदेश ने अक्टूबर 2014 में तारनकी अपतट बेसिन में स्थित एक अन्वेषण ब्लॉक के लिए बोली प्रस्तुत की थी। मंगलवार 9 दिसंबर 2014 को वेलिंगटन में संसद में औपचारिक समारोह में श्री सिमोन बिर्जेश माननीय ऊर्जा और संसाधन मंत्री न्यूजीलैंड सरकार द्वारा ओएनजीसी विदेश को अन्वेषण अनुमति प्रदान की गई है। ब्लाक का अवार्ड किया जाना, ओ एन जी सी विदेश का नए देश में प्रवेश का महत्व है, इससे इसकी 17 देशों की 36 परियोजनाओं में उपस्थित हो जाएगी। इस अवसर पर श्री नरेंद्र के वर्मा एम डी एवं सी ई ओ, ओ एन जी सी विदेश ने बोली के परिणाम पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि ओएनजीसी विदेश का न्यूजीलैंड में तारानकी अपतट बेसिन के हाइड्रोकार्बन प्रदेश में प्रथम प्रवेश, क्षेत्र में हितकारी हाइड्रोकार्बन सम्भाव्यता की खोज का अवसर प्रदान करेगा और सुदूर पूर्वी क्षेत्र में बड़ी भागीदारी के आधार के रूप में कार्य करेगा।

ओएनजीसी विदेश के बारे में

ओएनजीसी विदेश, भारत की राष्ट्रीय तेल कंपनी, तेल और प्राकृतिक गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, इसके साथ - साथ यह भारत की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस ई और पी कंपनी है। मौजूदा ओएनजीसी विदेश के पास 17 देशों 17 देशों में 36 परियोजनाएं हैं जिनमें ये शामिल है: अज़रबाइजन, बंग्लादेश, ब्राजील, कोलम्बिया, इराक, कजाकिस्तान, लीबिया, मोजम्बिकयू, म्यांमार, रूस, दक्षिण सूडान, सूडान, सीरिया, वेनेजुएला, वियतनाम और न्यूजीलैंड। मौजूदा ओएनजीसी विदेश प्रतिदिन 160 हजार बैरल तेल और तेल समकक्ष गैस का उत्पादन कर रहा है और इसके पास 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार लगभग 637 एम एम टी ओ ई कुल तेल और गैस रिजर्व मौजूद हैं। और सूचना के लिए लिए कृपया देंखे:- (http://www.ongcvidesh.com//?aspxautodetectedcookiesupport-1)

ओएनजीसी विदेश के बारे में

8 दिसंबर 2014 को ओएनजीसी की बाजार पूंजीकरण 3051 बिलियन आई एन आर (50.88 बिलियन यूएस डॉलर) था। 31 मार्च 2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान ओएनजीसी समूह ने 59.20 मिलियन तेल और तेल समकक्ष गैस का (लगभग 1.2 एम एम बी ओ ई प्रतिदिन) उत्पादन किया था: 31 मार्च 2014 की स्थित के अनुसार सकल राजस्व 1744.7 बिलियन आई एन आर था (29.46 बिलियन यूएस डॉलर) और तेल और गैस कुल रिजर्व 2004 एम एम टी ओ ई था। अन्य सूचना के लिए देखें :www.ongcindia.com

(http://www.ongcindia.com/wps/wcm/connect/ongcindia/home)